एक नजर में

ट्रक में सोता ही रह गया चालक

गुना। शहर में एक ट्रक चालक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। दरअसल, गुरुवार सुबह गुना शहर के यातायात नगर में एक ट्रक खडा हुआ था। आसपास के लोगों ने देखा ट्रक में बैठा ड्राइवर कोई हरकत नहीं कर रहा है। थोडी पडताल करने पर पता चला कि ट्रक चालक संभवत: जीवित नहीं है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। ट्रक चालक की पहचान गुना निवासी 45 वर्षीय जसराज राव के रूप में हुई है। पुलिस ने जसराज के शव को पोस्टमार्टम के लिए गुना जिला अस्पताल पहुंचा दिया है। परिजनों ने बताया है कि जसराज अपने घर में अकेला ही रहता था। उसकी शादी हुई थी, लेकिन पत्नि तलाक देकर चली गई थी। कभी-कभार वह अपने भाई और बहन से मिलन आया करता था। जसराज लंबे समय से ट्रक चला रहा था। उसकी मौत कैसे हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

खाद वितरण ई-टोकन व्यवस्था लागू होगी

गुना। भविष्य में उर्वरक (खाद) वितरण के लिए ई-टोकन व्यवस्था लागू होने वाली है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवा लें।

इस नई व्यवस्था में, फार्मर रजिस्ट्री आईडी होने से उर्वरक पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) में किसानों को विशेष सुविधा मिलेगी और उन्हें खाद वितरण के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पडेगा। प्रशासन ने बताया है कि भविष्य में अन्य शासकीय लाभ भी इसी फार्मर आईडी के माध्यम से मिलने की संभावना है। अत: सभी कृषक भाईयों से अनुरोध है कि वे समय रहते अपने संबंधित पटवारी से संपर्क कर अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवा लें।

वन विभाग के प्लांटेशन में बना दिए कागजी खेल मैदान

बमौरी जनपद में लाखों के मनरेगा कार्यों में बड़ा घोटाला, नवभारत की पड़ताल में बीलखेड़ा पंचायत का चौंकाने वाला कारनामा सामने आया

3.42 लाख रुपए का हुआ आहरण, पूरी जनपद के खेल मैदान संदेहास्पद

गुना जिला

2016 से कागजों पर बने करोड़ों के खेल मैदान जमीन से गायब

बमौरी जनपद में 9 साल बाद भी मनरेगा की राशि से स्वीकृत 25 निर्माण अधूरे

नवभारत न्यूज

गुना। नवभारत द्वारा वर्षों से हो रहे भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने के बाद, जब ग्रामीण विकास विभाग मनरेगा योजना की खेल मैदान निर्माण योजना की पडताल की गई, तो एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। ऐसा प्रतीत होता है कि खेल प्रतिभाओं को मंच देने वाली इस योजना को ही अफसरों ने कागजी भ्रष्टाचार करके गर्त में पहुंचा दिया है।

पडताल में सामने आया कि भूमिहीन पंचायतों में भी लाखों के खेल मैदान निर्मित हो गए, जिन पर 9 साल बीत जाने के बाद भी किसी आला अधिकारी की नजर नहीं गई।

ग्राउंड जीरो पर प्लांटेशन और जंगल

नवभारत की टीम जब ग्राउंड जीरो पर गई, तो मामला कुछ और ही निकला। उक्त कथित निर्माण स्थल फतेहगढ वन विभाग के अंतर्गत आता है, जिसका रिजर्व फॉरेस्ट क्रमांक आरएफ 523/521 है। इस वन भूमि पर पहले से ही एक वन कैंपा (प्लांटेशन) मौजूद है और दूसरा कैंपा भी स्वीकृत हो चुका है। जब पंचायत में पदस्थ सचिव श्यामबाबू यादव से बात की गई, तो उन्होंने स्वीकार किया कि निर्माण वन विभाग में ही हुआ है, लेकिन इससे ज्यादा जानकारी देने से अनभिज्ञता जताई और रोजगार सहायक पर जानकारी होने की बात कही। सचिव के इस अनजाने रवैए से मामला संदेहास्पद हो गया। इसके बाद, जब रोजगार सहायक से बात की गई, तो वह टीम के पास ही आ गए और स्वीकृत वन प्लांटेशन को ही खेल मैदान बताने लगे। मौके पर देखने पर पता चला कि वहाँ ठीक से समतल कोई जगह नहीं थी, बल्कि चारों ओर पेड और घास दिखाई दे रही थी, जो खेल मैदान के लिए कतई उपयुक्त नहीं थी। जांच के नाम पर खानापूर्ति का डर बमौरी जनपद में यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी योजना में जिम्मेदारों ने इस प्रकार की लापरवाही या घोटाला किया हो। इससे पहले बरखन, कुडका और रामपुर छिकारी पंचायतों में भी इसी तरह के खेल मैदानों में भ्रष्टाचार की खबरें सामने आ चुकी हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, खेल मैदान में हुए भ्रष्टाचार का मामला लगभग सभी पंचायतों में एक समान है। बिलखेडा, रामपुर, छिकारी, कुडका और बरखन की तरह सभी ने कागजों में खेल मैदान को पूर्ण दिखाकर राशि आहरित कर ली। 3 दिसंबर को नवभारत खबर के प्रकाशन के बाद, जनपद से योजना की जानकारी मांगी गई है और जांच टीम का गठन भी कर फील्ड से जानकारी एकत्रित की जा रही है। हालांकि, सूत्रों का मानना है कि विभाग अब खाना पूर्ति कर भ्रष्ट सचिवों को बचाने में जुट गया है।

अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस भ्रष्टाचार के मामले में कितनी ईमानदारी से अपनी कलम का प्रयोग कर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे।

आरक्षित वन भूमि पर खेल मैदान का निर्माण

वित्तीय वर्ष 2016-17 में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा के तहत गांव के खिलाडियों को अच्छा मंच देने के उद्देश्य से सभी ग्राम पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण कराया गया था। कागजों में यह कार्य बखूबी पूरा किया गया, लेकिन धरातल पर अधिकांश निर्माण शून्य निकले। नवभारत ने पडताल जारी रखते हुए बीलखेडा पंचायत का मामला सामने लाया है, जो सबसे गजब का है। जानकारी के मुताबिक, इस पंचायत का अधिकांश भाग रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में आता है। यहाँ भी वर्ष 2017 में पंचायत के जागेश्री और बिलखेडा में खेल मैदान का निर्माण कराया गया। आधिकारिक कागजों में, वर्ष 2024 में संबंधित सचिव द्वारा वर्क कंप्लीट (कार्य पूर्ण) की रिपोर्ट विभाग में जमा कर दी गई, जिसके एवज में पंचायत ने योजना के नाम पर 3,42,825 रुपये का आहरण भी कर लिया।

एसडीएम के आकस्मिक निरीक्षण में कंट्रोल दुकानों पर मिला ताला

गुना। एसडीएम राघौगढ अमित सोनी ने गुरुवार को क्षेत्र अंतर्गत उचित मूल्य की दुकान क्रमांक 21, 22 एवं 23 तथा आंगनबाडी केंद्र बरखेडी रूठियाई का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएँ पाई गई। दुकानों के नियमित रूप से न खुलने की शिकायतों के आधार पर जब निरीक्षण किया गया, तो तीनों दुकानें मौके पर बंद पाई गईं। दुकान क्र22 को मौके पर खुलवाने पर, वहाँ गेहूँ का भंडारण अत्यंत खराब स्थिति में पाया गया। विक्रेता द्वारा स्टॉक पंजी, वितरण पंजी, राशन कार्ड रजिस्टर, बिल आदि आवश्यक अभिलेख मौके पर प्रस्तुत नहीं किए गए। दुकानों में लगाए जाने वाले डिस्प्ले बोर्ड, दर सूची, मात्रा, दुकान का समय, लाइसेंस नंबर, संचालक का नाम आदि कोई भी जानकारी प्रदर्शित नहीं पाई गई। सफाई, रखरखाव एवं रिकॉर्ड संधारण में स्पष्ट रूप से लापरवाही दिखी। एसडीएम राघौगढ ने उक्त अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। आवश्यकतानुसार आगे दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस आकस्मिक निरीक्षण में नायब तहसीलदार वृत्त कमाखेडी रेनू कांसलीवाल, राजस्व निरीक्षक बबलू हिंडोलिया, पटवारी एवं अन्य विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

48 घंटे भूखे रहने के बाद लोको पायलट की हड़ताल खत्म

नवभारत न्यूज

गुना। अखिल भारतीय लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की भूख हडताल 4 दिसंबर को समाप्त हो गई है। प्रति किलोमीटर भत्ता बढाने और टैक्स में मिल रही छूट को 70 प्रतिशत तक करने जैसी मांगों को लेकर रनिंग स्टाफ 48 घंटों से भूख हडताल पर था। लोको रनिंग स्टाफ की यह हडताल इसलिए भी खास रही, क्योंकि एसोसिएशन के सदस्यों ने केंद्र सरकार और रेल विभाग तक अपनी मांगों को पहुंचाने के लिए विरोध का अनोखा तरीका अपनाया था। स्टाफ 2 दिसंबर को सुबह 10 बजे से भूख हडताल पर चला गया था। सभी ने 2 दिनों तक बिना भोजन किए ट्रेनों का संचालन किया। एसोसिएशन की ओर से बताया गया कि वे देश की तरक्की और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हैं, लेकिन उनकी मांगें जायज हैं लिहाजा उन्होंने विरोध शांतिपूर्ण किया। इस दौरान कई लोको पायलट की तबियत भी बिगड गई। गुना में भी हुकुम सिंह प्रजापति नामक लोको पायलट इतने बीमार हो गए कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड गया। अपनी एसोसिएशन के प्रति समर्पण जाहिर करते हुए लोको पायलट हुकुम सिंह ने अस्पताल में भी कुछ खाने से मना कर दिया।

सीएम हेल्पलाइन में गुना प्रथम, कलेक्टर ने नापतौल विभाग की कार्यशैली पर जताया असंतोष

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में आज खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग तथा नापतोल विभाग की एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे, खाद्य अधिकारी अवधेश पांडे, नापतोल निरीक्षक लक्ष्मीचंद्र खांडवी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानों की स्थिति, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण व्यवस्था की समीक्षा से हुई। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि ढटऋ्रड्अ (प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना) के मूल्यांकन में गुना जिला 28वीं रैंक पर है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के 17 सेक्टरों की प्रगति और उज्ज्वला 3.0 के अंतर्गत एसटी परिवारों को नि: शुल्क गैस कनेक्शन की स्थिति पर भी चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान यह बताया गया कि विभागवार शिकायतों के निराकरण में वर्तमान स्थिति में गुना जिला प्रथम स्थान पर है। त्वरित समाधान के कारण जिले को उत्कृष्ट श्रेणी में यह स्थान मिला है। कलेक्टर कन्याल ने निर्देश दिए कि उपभोक्ता सेवा केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव शीघ्र क्रियान्वित किया जाए और नई पात्रता पर्ची हेतु स्वीकृत आवेदनों की ईझकेवाईसी प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए।

संयुक्त बैठक में कलेक्टर ने नापतोल विभाग की कार्यशैली पर विशेष चर्चा की और निरीक्षक तथा क्षेत्रीय अमले को मैदानी निरीक्षण बनाने, अनियमितताओं पर त्वरित कार्रवाई करने और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। कलेक्टर कन्याल ने सख्त लहजे में कहा, फील्ड पर आपकी सक्रिय उपस्थिति दिखनी चाहिए। हर अनियमितता पर सख्त कार्रवाई हो। उपभोक्ता को नुकसान पहुँचाने वाली किसी भी गतिविधि पर बिल्कुल समझौता नहीं किया जाएगा।

वार्ड के निवासियों ने खुद उठाया सड़क की सफाई और रिपेयरिंग का जिम्मा

नवभारत न्यूज

गुना। पाएगा मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 12 के निवासियों ने नगर पालिका की लगातार अनदेखी से परेशान होकर एक अनुकरणीय पहल की है। मोहल्ले में अत्यधिक गंदगी, जगह-जगह गड्ढे और खुदी हुई सडकों के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा था। बार-बार निवेदन करने पर भी नगर पालिका द्वारा कोई सुनवाई नहीं होने पर, समस्त मोहल्ले वालों ने आपस में चंदा किया और खुद ही सडक की रिपेयरिंग का जिम्मा उठाया। सामाजिक कार्यकर्ता और पाएगा मोहल्ला निवासी गोपाल अवस्थी ने बताया कि सडकों की हालत इतनी खराब थी कि यहाँ आए दिन लोग गाडियों से गिरकर चोटिल हो रहे थे और निकलने के लिए भी जगह नहीं बची थी। उन्होंने कहा, नगर पालिका से निवेदन करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही थी। इसलिए, समस्त मोहल्ले वालों ने आपस में बैठक कर निर्णय लिया कि खुद ही अपने पैसे से स ?क रिपेयरिंग का काम करेंगे। इस सामूहिक प्रयास को सफल बनाने के लिए, मोहल्ले के निवासियों ने आपस में पैसे जुटाए और मरम्मत का काम शुरू किया। जब पार्षद से सहयोग के लिए आग्रह किया गया, तो उन्होंने निजी तौर पर दो कट्टे सीमेंट उपलब्ध कराए। इस पहल में गोपाल अवस्थी के अलावा, दिलीप सिंह बेस, बंदी पाराशर, आकाश पाराशर, सुमित जैन, उमाकांत शर्मा, राहुल जैन, कपिल जैन, हेमंत सेन, श्रीमती दीपा गुप्ता, बोनू अवस्थी, संदीप शर्मा, छोटू, संजय तिवारी, छोटू, गजराज सिंह सिकरवार, राजेश सिकरवार आदि ने सक्रिय सहयोग दिया।

नानाखेड़ी कॉलोनी में दहशत, एक सप्ताह में 11वीं के छात्र पर नकाबपोशों ने किया दो बार हमला

गुना। कैंट थाना क्षेत्र की नानाखेडी आवासीय कॉलोनी से एक अजीब और चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां एक कक्षा 11वीं के किशोर छात्र के साथ एक सप्ताह के भीतर दो बार मारपीट की घटना हो चुकी है। नकाबपोश बदमाशों द्वारा बार-बार किए जा रहे इस हमले से किशोर के परिजन दहशत में हैं। परिजनों ने बताया कि उनका बेटा सुबह 8 बजे से 10 बजे तक सब्जी का ठेला लगाता है और इसके बाद उत्कृष्ट स्कूल पढने जाता है। पहली घटना 21 तारीख को हुई, जब दो नकाबपोश बदमाशों ने आकर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद, बुधवार को तीन नकाबपोशों ने आकर छात्र के साथ जमकर हाथापाई की। एक ही सप्ताह में दो बार हुई इस घटना से परिजन बेहद चिंतित हैं। उन्होंने तुरंत कैंट थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि कैंट थाना प्रभारी ने मामले को तुरंत संज्ञान में लिया है और नकाबपोश हमलावरों की पहचान और धरपकड के लिए एक टीम को लगा दिया है।

कलेक्टर ने शुरू किया नवाचार, हितग्राहियों से सीधा संवाद कर सुनीं सफलता गाथाएं

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों से व्यक्तिगत संवाद कर फीडबैक लेने का एक नया नवाचार प्रारंभ किया है। युवा संगम कार्यक्रम और अन्य माध्यमों से स्वरोजगार योजनाओं के लाभार्थी और निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त युवाओं से संवाद करने का उद्देश्य योजनाओं के क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना और उनके वास्तविक अनुभव जानना था। जिला कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 10 विभागों की विभिन्न योजनाओं के 50 से अधिक हितग्राही उपस्थित रहे। संवाद के दौरान हितग्राहियों ने अपनी सफलता की कहानियाँ साझा कीं। सोना खान ने बताया कि वह आज प्रतिमाह 25,000 से 30,000 रुपये की आय अर्जित कर आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं। राकेश (पशु चिकित्सालय विभाग) ने डेयरी व्यवसाय शुरू करने के अपने अनुभव साझा किए। चेकमेट कंपनी में चयनित युवाओं ने बताया कि वे सुरक्षा गार्ड के रूप में 20,000 से 22,000 रुपये मासिक आय अर्जित कर रहे हैं। मुनेश कुशवाह (पीएम विश्वकर्मा योजना) ने बताया कि उनकी मासिक आय 5,000 रुपये से ब ?कर 20,000 रुपये प्रति माह हो गई है।

कलेक्टर ने की सराहना

कलेक्टर कन्याल ने हितग्राहियों के अनुभवों की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में तेजी से अग्रसर है और महिला समूह आत्मनिर्भरता की नई मिसालें स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं से आय बढाने के अनेक अवसर उपलब्ध हैं, जिनका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नियम सबके लिए 53 सरकारी कर्मचारियों और आवेदकों के चालान काटे, 15 हजार रुपए का समन शुल्क वसूला

कलेक्ट्रेट और एसपी ऑफिस में नो हेलमेट, नो एंट्री पर बड़ी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की चेतावनी और समझाइश के ठीक अगले ही दिन जिले में हेलमेट नहीं लगाकर दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ अब तक की सबसे बडी और प्रभावी कार्रवाई की गई है। लोगों में नियमों के पालन को लेकर भेदभाव की भावना खत्म करने के उद्देश्य से सख्ती की शुरूआत जिले के सबसे बडे प्रशासनिक भवन कलेक्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक कार्यालय से हुई।

दरअसल, बुधवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने लोगों से हेलमेट लगाने के नियम का पालन करने की अपील जारी की थी और इशारों में यह समझाइश भी दी थी कि सख्ती कभी भी शुरू हो सकती है। कलेक्टर का इशारा मिलते ही गुरुवार को यातायात पुलिस का अमला पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में सक्रिय हो गया। यातायात पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं पुलिस लाइन के मुख्य प्रवेश द्वारों पर विशेष चेकिंग प्वाइंट बनाए गए थे। सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली इस कार्रवाई में, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन लेकर प्रवेश कर रहे अधिकारी-कर्मचारियों को यातायात पुलिस ने रोका और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान बनाए। इस कार्रवाई की चपेट में कलेक्ट्रेट पहुंचे हितग्राही और आवेदक भी आए।

कलेक्टर साहब का आदेश है!

कलेक्ट्रेट कार्यालय में चालानी कार्रवाई के दौरान कई रोचक दृश्य भी सामने आए। एक कर्मचारी ने खुद को शासकीय विभाग में कार्यरत होने का हवाला देते हुए कहा कि आज उन्हें छोड दिया जाए, कल से हेलमेट लेकर आएंगे। इसपर पुलिसकर्मियों ने स्पष्ट कर दिया कि कलेक्टर साहब का सख्त आदेश है, चालान को काटना पडेगा। एक व्यक्ति कलेक्ट्रेट में प्रवेश करते ही मोटरसाइकिल से नीचे उतर गए। उन्हें लगा कि बाईक चला नहीं रहे हैं तो उनका चालान तो कम से कम नहीं कटेगा। लेकिन उनकी तरकीब भी काम नहीं आई।

53 कर्मचारियों पर जुर्माना

इस व्यापक अभियान के दौरान बिना हेलमेट पाए गए 53 चालकों (कर्मचारियों) के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई और उनसे 15 हजार का समन शुल्क वसूला गया। एसपी ऑफिस मुख्य गेट पर सूबेदार हर्ष यादव, कलेक्ट्रेट मुख्य गेट पर सूबेदार अविनाश उमरैया एवं पुलिस लाइन मुख्य गेट पर उपनिरीक्षक मुन्नाराम भगत के नेतृत्व में यह कार्यवाही की गई।

समान कानून का दिया संदेश

इस कार्रवाई से जिले में यह स्पष्ट और सकारात्मक संदेश दिया गया है कि कानून सबके लिए समान है, चाहे वह पुलिसकर्मी हो, सरकारी अधिकारी, कर्मचारी या फिर आम नागरिक। यह कार्रवाई उन लोगों की पुरानी शिकायत को भी ध्वस्त करती है कि यातायात पुलिस सिर्फ आम लोगों पर कार्रवाई करती है, जबकि प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी नियमों का खुलेआम उल्लंघन करते हैं।

अब निजी संस्थानों पर भी नजर

पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के दिशा-निर्देशन में चल रहे इस अभियान में समझाइश दी गई कि हेलमेट नियम नहीं बल्कि जीवन रक्षा का वचन है, जो हर परिवार की खुशियों और उम्मीदों को सुरक्षित रखता है। गुना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में कोई भी सरकारी या निजी संस्थान का कर्मचारी यदि बिना हेलमेट वाहन चलाते पाया जाएगा, तो उसके विरुद्ध भी समान कठोरता से वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। यह अभियान सडक सुरक्षा को साझा जिम्मेदारी बनाने के संकल्प के साथ जारी रहेगा। कुल मिलाकर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब निजी संस्थानों पर भी चालानी कार्रवाई शुरु की जाएगी।

स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों का हुआ राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में चयन

नवभारत न्यूज

गुना। 35वीं राष्ट्रीय जूनियर नेशनल थ्रोबॉल प्रतियोगिता 04-12-2025 से 07-12-2025 तक ठाणे(महाराष्ट्र) मैं आयोजित है प्रतियोगिता मैं गुना स्पोर्ट्स अकादमी के होनहार खिलाड़ी मोहित सोनी और यशराज नीमा का चयन मध्यप्रदेश थ्रोबॉल टीम मैं हुआ है। गुना खेल जगत में अहम भूमिका निभा रहें गुना स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी। संस्था के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना देवेंद्र पटेरिया (डीएसओ गुना) सार्थक राठौर (सार्थक राठौर फाउंडेशन) काके सरदार (समाज सेवी) सार्थक गुप्ता (सार्थक फिलिंग स्टेशन) अमन मांझी (गुना स्पोर्ट्स अकादमी कोच), सूरज ओझा जी (राष्ट्रीय खिलाड़ी), उदित झा(राष्ट्रीय खिलाड़ी), निकुंज पाराशर (राष्ट्रीय नेटबॉल खिलाड़ी),महेंद्र मीणा(राष्ट्रीय खिलाड़ी) निखिल रघुवंशी(राष्ट्रीय खिलाड़ी) फाजिल फ़ारूकी (सीनियर खिलाड़ी), एवं समस्त गुना स्पोर्ट्स अकादमी ने की ओर खेल जगत में गुना को नई पहचान देने की कामना की।

3 आदतन अपराधी 1 वर्ष के लिए जिलाबदर

गुना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल द्वारा जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 03 आदतन अपराधियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धाराओं के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि के लिए जिलाबदर करने के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जिन अपराधियों को निष्कासित किया गया है, उनमें अरविन्द रघुवंशी पुत्र रामसिंह रघुवंशी निवासी मिनख्याई, हेमा पुत्र भामा उर्फ भाना बंजारा निवासी ग्राम पन्हेटी, एवं सोनू भदौरिया पुत्र गोकुल सिंह निवासी म्याना शामिल हैं। इन अपराधियों को एक वर्ष के लिए गुना जिले तथा इसके सीमावर्ती जिले शिवपुरी, अशोकनगर, राजगढ, विदिशा और भोपाल की सीमा से निष्कासित किया गया है।